जयपुर जिले की बस्सी तहसील में जनांकिकी संरचना

*डॉ. समय सिंह मीणा
*ममता कुमारी जग्रवाल

शोध सारांश

किसी स्थान की भौगोलिक अवस्थिति एक महत्वपूर्ण तत्व है, जिसका प्रभाव उस क्षेत्र की न केवल जलवायु अपितु उस क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास और वहॉ की गतिविधियों पर पड़ता है। राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बडा राज्य है, जिसका विस्तार 23^0 3′ से 30^0 12′ उत्तरी अक्षांश व 69^0 30′ से 78^0 17′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। राजस्थान राज्य में जयपुर जिला लगभग मध्यवर्ती भाग में फैला हुआ है। जयपुर जिला पूर्व भाग में 26^0 23′ व 27^0 51′ उत्तरी अक्षांश व 74^0 55 व 78^0 50′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। जयपुर जिले की बस्सी तहसील राजस्थान के भौतिक विभाग पूर्वी मैदानी के उपार्द्र जलवायु खण्ड में स्थित है। यह स्थलाकृति सतही जलप्रवाह कम, समतल मैदान तथा भूमि मृदा के आवरण से युक्त है। बस्सी तहसील जयपुर जिले के दक्षिणी–पूर्वी भाग में 26^0 41′ से 26^0 58′ उत्तरी अक्षांश एवं 75^0 58′ से 78^0 15′ पूर्वी देशान्तर के मध्य 654.69 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। इस पंचायत समिति के अंतर्गत 222 गांव 1 कस्बा एवं कुल 39 ग्राम पंचायतें आती है। यहां की जलवायु अर्द्धशुष्क है तथा वर्षा का वार्षिक औसत 544.20 मिलीमीटर है। बस्सी तहसील का क्षेत्रफल 654.69 वर्ग किलोमीटर है, जो कि राजस्थान के कुल क्षेत्रफल (3,42,239 वर्ग किलोमीटर) का 0.19 प्रतिशत है तथा जिले का 9.46 प्रतिशत क्षेत्रफल है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार तहसील की कुल जनसंख्या 283594 है, जिसमें 147383 पुरूष तथा 136211 महिलायें हैं। तहसील की कुल जनसंख्या जिले की कुल जनसंख्या की लगभग 4.28 प्रतिशत है। तहसील में केवल ग्रामीण जनसंख्या ही पाई जाती है।

संकेतांक : *भौगोलिक अवस्थिति, जलवायु, भौतिक विभाग, उपार्द्र, स्थलाकृति, जलप्रवाह, भूमि, जनसंख्या।*

परिचय :

किसी भी प्रदेश के विकास में जनसंख्या सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है। जनसंख्या वृद्धि का कृषि के विकास पर अत्यधिक प्रभाव पडता है। जनसंख्या वृद्धि के साथ भूमि उपयोग मे परिवर्तन आना स्वभाविक है। बढती जनसंख्या जीविकोपार्जन हेतु भूमि पर आश्रित रहती है, परिणामस्वरूप भूमि उपयोग में परिवर्तन आता है, जो एक सतत प्रक्रिया है। इस प्रकार जनसंख्या और भूमि का अन्योन्याश्रित सम्बंध हैं। जनसंख्या में वृद्धि होने पर कृषि में सुधार आता है तकनीक तथा कृषि भूमि उपयोग परिवर्तित होता है, जिससे वह बढती हुई जनसंख्या के लिये भोजन, वस्त्र एवं उद्योगों के लिए कच्चा माल तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। कृषि भूमि उपयोग प्रणाली एवं कृषि तकनीक परस्पर सह–सम्बन्धित होते है। जनसंख्या में वृद्धि होने पर कृषि भूमि का गहन उपयोग होने लगता है और तद्नुरूप तकनीकी में परिवर्तन होने लगता है प्रबन्ध व उत्पादन के रूप में कृषि से सम्बन्धित जनसंख्या उसके विकास का नियन्त्रक है।

किसी भी क्षेत्र के लिए जनसंख्या उसके जीवन के रक्त के रूप में होती है इसलिए जनसंख्या के अध्ययन के बिना क्षेत्र के किसी भी तत्व का अध्ययन सम्पूर्ण नहीं हो सकता। प्रस्तुत शोध प्रबंध के विश्ले ाण में जनसंख्या का बहुत

अधिक महत्व है। किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि, भूमि उपयोग के दबाव को प्रभावित करती है यहीं कारण है कि जनसंख्या वृद्धि के साथ–साथ बस्सी तहसील के भूमि उपयोग का क्षेत्रफल भी तीव्र गति से बढ़ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र का भूमि उपयोग निरंतर बदल रहा है। जयपुर जिले की जनसंख्या का कृषि संदर्भ में अध्ययन करने से ज्ञात होता है, कि जिले की दो तिहाई से अधिक कार्यशील जनसंख्या कृषि कार्यो में संलग्न है अर्थात् जिले की कार्यशील जनसंख्या का लगभग 70 प्रतिशत भाग अपनी जीविका हेतु कृषि पर निर्भर है

प्रशासनिक दुष्टि से जयपुर जिला13 उपखण्डो एवं 16 तहसीलो में विभक्त है। जिले में कस्बों एवं गाँवो की कुल संख्या क्रमशः 11 व 2402 है। इनमें से 2348 आबाद और 54 गैर आबाद गाँव है।

सारणी 1 : बस्सी तहसील में ग्रामों का जनसंख्या वर्ग के अनुसार वितरण

जनसंख्या वर्ग	ग्रामों की संख्या	प्रतिशत में
200 से कम	258	10.98
200–499	467	19.88
500–1999	959	40.84
2000–4999	651	27.72
5000 एवं इससे अधिक	13	0.55

स्त्रोतः कार्यालय, जिला कलेक्टर (भू. अ.), जयपुर व जनगणना प्रतिवेदन 2011, राजस्थान।

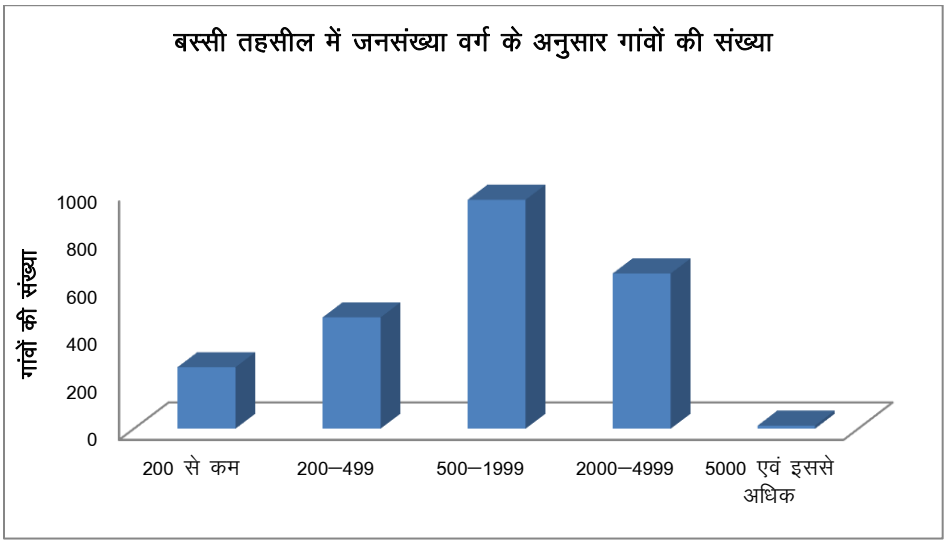

आरेख 1 : बस्सी तहसील में ग्रामों का जनसंख्या वर्ग के अनुसार वितरण

अध्ययन क्षेत्र जयपुर जिले की बस्सी तहसील है। बस्सी तहसील की कुल जनसंख्या 283594 है। इस तहसील में कुल गांवों की संख्या 126 है जिनमें आबाद गाँवों की संख्या 2348 तथा गैर आबाद गांवों की संख्या 54 है।

बस्सी तहसील के 258 गांवों में 200 से कम जनसंख्या निवास करती है, ये गांव तहसील के कुल गांवों का 10.98 प्रतिशत है। इसी क्षेत्र में 467 गांव ऐसे हैं जिनमें 200 से 499 व्यक्ति निवास करते हैं। इन गांवों का प्रतिशत 19.88 है। तहसील के 959 गांवों में 500 से 1999 व्यक्ति निवास करते है तथा ऐसे गांवों का प्रतिशत कुल गांवों का 40.84 प्रतिशत है। यहाँ के 651 गांवों में 2000 से 4999 व्यक्ति रहते हैं और ऐसे गांवों का प्रतिशत 27.72 है। तहसील में 5000 व्यक्ति या अधिक जनसंख्या वाले गांव 13 है, जो इन गांवों का प्रतिशत 0.55 है।

सारणी सं. 3: जयपुर जिला तथा बस्सी तहसील में जनसंख्या वृद्धि (प्रतिशत में)

क्र.सं.	वर्ष	बस्सी तहसील	जयपुर जिला
1.	2001	–	+35.06
2.	2011	+23.49	+26.19

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2001 एवं 2011, जयपुर।

जयपुर जिले में वर्ष 2001 से 2011 की दशकीय जनसंख्या वृद्धि 308034 हुई जो कुल जनसंख्या का 26.19 प्रतिशत है। जबकि अध्ययन क्षेत्र की दशकीय जनसंख्या वृद्धि 53955 हुई जो कुल जनसंख्या का 23.49 प्रतिशत भाग है। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में वर्ष 2001 से 2011 के मध्य दशकीय वृद्धि 23.49 प्रतिशत हुई।

जनसंख्या वृद्धि दर

सारणी सं. 4 : बस्सी तहसील में जनसंख्या दशकीय वृद्धि दर

वर्ष	पुरुष	स्त्री	योग	दस वर्ष का अन्तर	प्रतिशत वृद्धि/कमी
2001	120214	109425	229639	–	–
2011	147383	136211	283594	53955	+23.49

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2001 एवं 2011, जयपुर

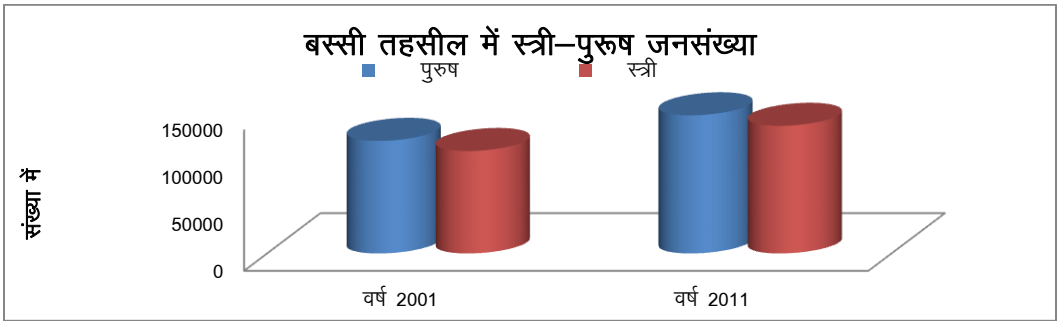

आरेख 3 : बस्सी तहसील में स्त्री–पुरूष जनसंख्या प्रतिशत

सन् 2001 में अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 229639 थी। इसमें 120214 पुरुष तथा 109425 स्त्रियां थी। अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या बढ़कर वर्ष 2011 में 283594 हो गई। इसमें से 147383 पुरुष जनसंख्या तथा 136211 स्त्रियां है। इस तरह अध्ययन क्षेत्र में पिछले दशक से लगातार जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। वर्ष 2001–2011 में दशकीय वृद्धि दर 23.49 प्रतिशत रही तथा दशकीय जनसंख्या वृद्धि 53955 व्यक्ति हो गयी।

2.10.3 जनसंख्या वितरण एवं घनत्व

जनसंख्या वितरण एवं घनत्व दोनों परस्पर सम्बन्धित है लेकिन भिन्न सकंल्पनाऐं है जनसंख्या वितरण एवं घनत्व अध्ययन की पृष्ठभूमि से पता चलता है कि जनसंख्या भूगोल के एक स्वतंत्र शाखा के रूप में विकसित होने से पूर्व ही जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का आपसी सम्बंध किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या की जानकारी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का विश्लेषण मुख्य आधार होता है। जनसंख्या वितरण प्रारूप न केवल मनुष्य के किसी क्षेत्र विशेष में बचाव सम्बधिंत अभिरूचि एवं विरूचि का द्योतक है, अपितु क्षेत्र में कार्यरत भौगोलिक कारकों के संश्लेषण का स्पष्ट प्रदर्शक भी होता है। वर्ष 2011 के आंकड़ों के अनुसार बस्सी तहसील में जनसंख्या घनत्व 433 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

जनसंख्या वितरण

जनसंख्या वितरण किसी क्षेत्र कि जनांकिकीय विशेषताओं के अध्ययन का आधार होता है, जनसंख्या का वितरण क्षेत्रीय प्रारूप की और इशारा करता है जनसंख्या वितरण से आशय विभिन्न क्षेत्रों में लोग कितनी संख्या में निवास करते है से है। बस्सी तहसील में जनसंख्या का वितरण असमान है यहाँ कहीं पर बहुत अधिक जनसंख्या निवास करती है तो कहीं पर बहुत कम जनसंख्या निवास करती है।

सारणी सं. 5 : जयपुर जिला तथा बस्सी तहसील में जनसंख्या वितरण

जिला/तहसील	क्षेत्र	जनसंख्या	
		2001	2011
जयपुर जिला	ग्रामीण	2659004	3258299
	शहरी	2592067	3367879
	कुल	5251071	6626178
बस्सी तहसील	ग्रामीण	229639	283594
	शहरी	–	–
	कुल	229639	283594

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2001 एवं 2011, जयपुर।

राजस्थान राज्य के जयपुर जिले की वर्ष 2001 में कुल जनसंख्या 5251071 व्यक्ति थी। इस जनसंख्या में से जयपुर जिले की ग्रामीण जनसंख्या 2659004 व्यक्ति थी तथा शहरी जनसंख्या 2592067 थी।

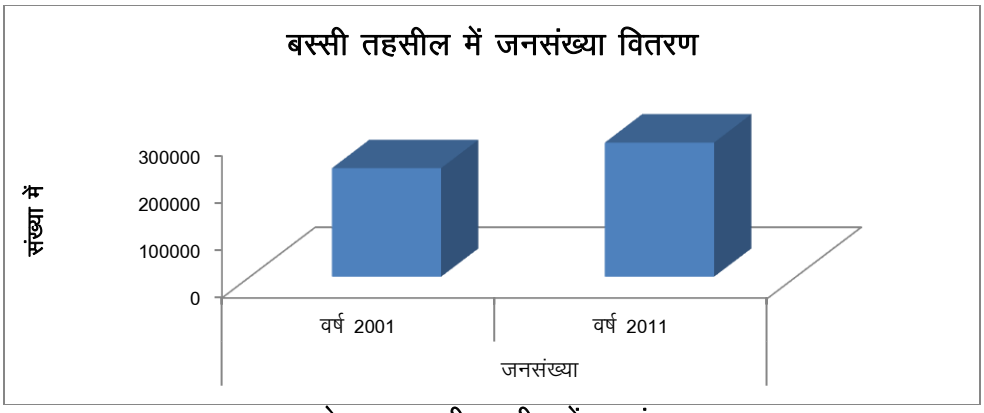

आरेख 4 : बस्सी तहसील में जनसंख्या

जयपुर जिले की बस्सी तहसील की वर्ष 2001 में हुई जनगणना में कुल जनसंख्या 229639 व्यक्ति थी। बस्सी तहसील में ग्रामीण जनसंख्या 229639 व्यक्ति थी। इस तहसील में शहरी जनसंख्या न के बराबर निवास करती है।

वर्ष 2011 में जयपुर जिले में हुई जनगणना में जयपुर जिले की कुल जनसंख्या 6626178 व्यक्ति थी। इस जनसंख्या में ग्रामीण क्षेत्रों में 3258299 व्यक्ति निवास करते है। शहरी जनसंख्या 3367879 व्यक्ति है। जयपुर जिले की बस्सी तहसील की वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या 283594 व्यक्ति है। अध्ययन क्षेत्र की वर्ष 2011 में ग्रामीण जनसंख्या 283594 थी तथा शहरी जनसंख्या का स्तर कम पाया जाता है।

जनसंख्या घनत्व

सारणी सं. 6 : जयपुर जिला व बस्सी तहसीलः जनसंख्या घनत्व

जिला/तहसील	क्षेत्र	जनसंख्या घनत्व	
		2001	2011
जयपुर जिला	ग्रामीण	256	315
	शहरी	3514	4266
	योग	471	595
बस्सी तहसील	ग्रामीण	351	433
	शहरी	–	–
	योग	351	433

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2001 एवं 2011, जयपुर।

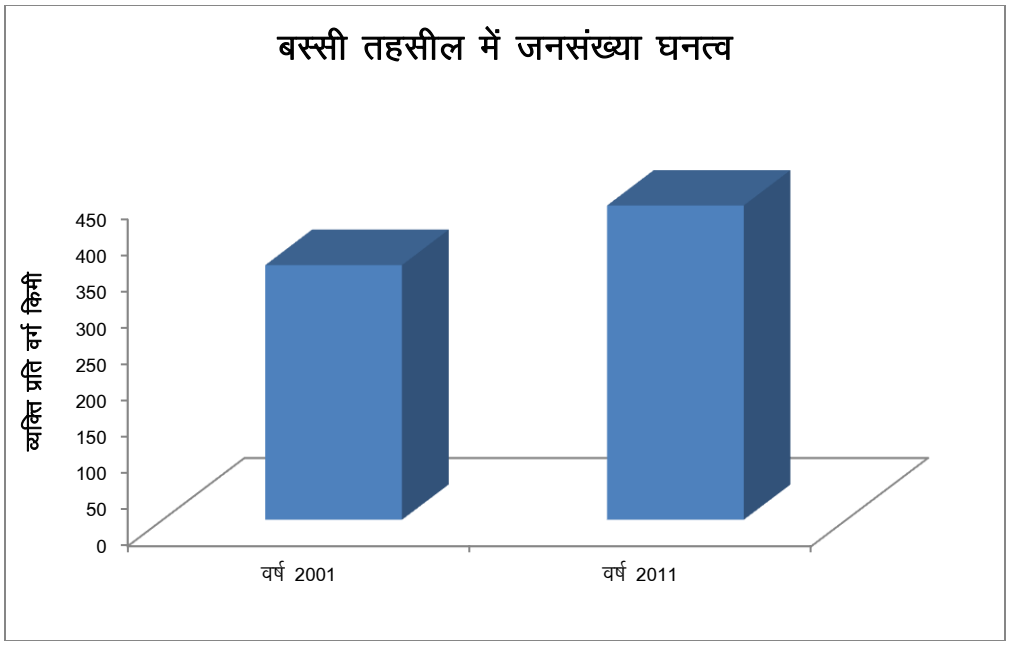

आरेख 5 : बस्सी तहसील में जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या वितरण को पूर्णतः विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के माध्यम से किया जाता है। जनसंख्या घनत्व से तात्पर्य प्रति इकाई में रहने वाले लोगों की संख्या से है। जयपुर जिले में वर्ष 2001 कुल जनघनत्व 471 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था जो बढ़कर वर्ष 2011 में 595 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर हो गया। वर्ष 2001 में जयपुर जिले का ग्रामीण जनघनत्व 256 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से बढ़कर, वर्ष 2011 में 315 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया। जयपुर जिले का 2001 में शहरी जनघनत्व 3514 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से बढ़कर, वर्ष 2011 में यह शहरी जनघनत्व 4266 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया।

जयपुर जिले की बस्सी तहसील का वर्ष 2001 में कुल जनघनत्व 351 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था जो वर्ष 2011 में बढ़कर के 433 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया। बस्सी तहसील का वर्ष 2001 में ग्रामीण जनघनत्व 351 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था जो बढकर वर्ष 2011 में 433 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया। अध्ययन क्षेत्र में ज्यादातर जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रो में निवास करती है। अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 2348 आबाद गाँव हैं जिनका जनघनत्व पूर्णतया ग्रामीण क्षेत्रों में फैला हुआ है।

लिंगानुपात

किसी क्षेत्र की जनसंख्या में लिगांनुपात पुरूष एवं स्त्रियों के मध्य अनुपात का सूचक यह प्रति एक हजार पुरूषों पर स्त्रीयों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार बस्सी तहसील का लिंगानुपात 924 हैं।

सारणी सं. 7 : जयपुर जिला व बस्सी तहसील में लिंगानुपात

तहसील / जिला	2001		कुल	2011		कुल	कमी या वृद्धि
	नगरीय	ग्रामीण		नगरीय	ग्रामीण		
जयपुर जिला	2592067	2659004	5251071	3367879	3258299	6626178	
लिंगानुपात	880	941	897	901	920	910	+13
बस्सी तहसील	–	229639	229639	–	283594	283594	
लिंगानुपात	–	910	910	–	924	924	+14

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2001 एवं 2011, जयपुर।

जयपुर जिले की कुल जनसंख्या वर्ष 2001 में 5251071 थी जिसका कुल लिंगानुपात 897था जो वर्ष 2011 में बढ़कर 910 हो गया जबकि जयपुर जिले की वर्ष 2011 की कुल जनसंख्या 6626178 थी। जिसमें 13 महिलाओं की वृद्धि हुई है।

जयपुर जिले का नगरीय लिंगानुपात वर्ष 2001 में 880 था जो वर्ष 2011 में बढ़कर नगरीय लिंगानुपात 901 हो गया। जिसमें नगरीय लिंगानुपात में 21 महिलाओं की वृद्धि हुई है। जयपुर जिले का ग्रामीण लिंगानुपात वर्ष 2001 में 941 था, जो कि घटकर वर्ष 2011 में 920 हो गया। ग्रामीण लिंगानुपात में 21 महिलाओं की कमी हुई है।

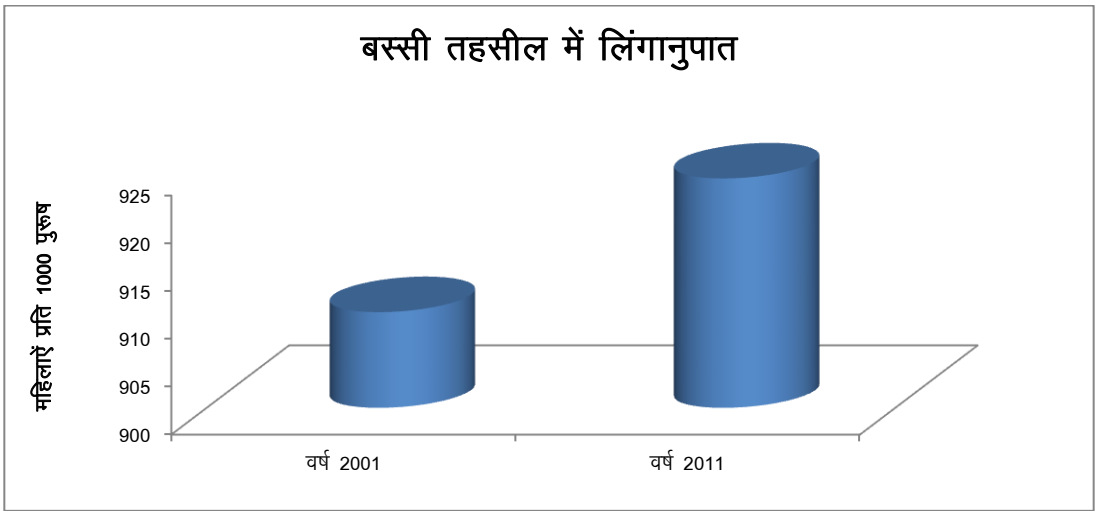

आरेख 6 : बस्सी तहसील में लिंगानुपात

अध्ययन क्षेत्र का लिंगानुपात वर्ष 2001 में 910 तथा वर्ष 2011 में बढ़कर 924 हो गया। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में 14 महिलाओं की वृद्धि हुई है। अध्ययन क्षेत्र में केवल ग्रामीण लिंगानुपात ही मुख्य रुप से है।

साक्षरता

सारणी सं. 8 : बस्सीतहसील व जयपुर जिला (साक्षरता)

	क्षेत्र	साक्षरता प्रतिशत में	
		वर्ष 2001	वर्ष 2011
जयपुर जिला	ग्रामीण	62.15	67.62
	शहरी	77.46	82.47
	कुल	69.90	75.51
बस्सी तहसील	ग्रामीण	–	68.07
	शहरी	–	–
	कुल	–	68.07

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2001 एवं 2011, जयपुर।

जयपुर जिले का वर्ष 2001 की कुल साक्षरता 69.90 प्रतिशत थी जो कि वर्ष 2011 में बढ़कर 75.51 प्रतिशत हो गयी। जयपुर जिले की वर्ष 2001 की ग्रामीण साक्षरता 62.15 प्रतिशत थी जो कि वर्ष 2011 में बढ़कर 67.62 प्रतिशत हो गयी। इसी क्रम में जिले वर्ष 2001 की शहरी साक्षरता 77.46 प्रतिशत थी जो कि वर्ष 2011 में बढ़कर 82.47 प्रतिशत हो गयी।

अध्ययन क्षेत्र बस्सी तहसील साक्षरता की दृष्टि से मध्यम स्थान रखता है। अध्ययन क्षेत्र पूर्णतया ग्रामीण परिवेश वाला क्षेत्र है। अध्ययन क्षेत्र की कुल साक्षरता 68.07 प्रतिशत है। जोकि वर्ष 2011 में हुई जनगणना के अनुसार कुल ग्रामीण साक्षरता का प्रतिशत 68.07 है। जिसमें 83.86 प्रतिशत पुरुष साक्षरता है तथा 51.14 प्रतिशत महिला साक्षरता है।

पुरूष एवं स्त्री जनसंख्या वितरण

अध्ययन क्षेत्र की वर्ष 2001 में कुल जनसंख्या 229639 थी जिसमें से जो बढ़कर वर्ष 2011 में 283594 हो गयी जिससे दशकीय जनसंख्या वृद्धि 23.49 प्रतिशत हो गयी। वर्ष 2001 की कुल जनसंख्या 229639 में से ग्रामीण पुरुषों की संख्या 120214 थी जो वर्ष 2011 में बढ़कर 147383 हो गयी।

सारणी सं. 9 : बस्सी तहसीलः पुरूष एवं स्त्री जनसंख्या वितरण

वर्ष	ग्रामीण		
	पुरुष	स्त्री	योग
2001	120214	109425	229639
2011	147383	136211	283594

अध्ययन क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं की कुल संख्या वर्ष 2001 में 109425 थी जो कि वर्ष 2011 में बढ़कर 136211 हो गयी। अध्ययन क्षेत्र में नगरीय जनसंख्या आंशिक रुप विकसित है। यह क्षेत्र पूर्णतया ग्रामीण क्षेत्र ही है।

व्यवसायिक जनसंख्या

क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्यशील जनसंख्या को अनुकूल माना गया है। बस्सी तहसील में सन् 2001 से 2011 तक कुल जनसंख्या में कार्यशील, सीमांत व अकार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत सारणी में दर्शाया गया है। वर्ष 2001 के आकड़ों के अनुसार अकार्यशील व्यक्तियों का प्रतिशत 53.52 था जबकि कार्यशील व्यक्तियों का प्रतिशत 36.84 था तथा सीमांत व्यक्तियों का प्रतिशत 9.64 था।

सारणी सं. 10 : बस्सी तहसीलः कार्यशील, सीमांत व अकार्यशील जनसंख्या वितरण (2001–2011)

श्रेणी	वर्ग	2001 (ग्रामीण)	2011 (ग्रामीण)
कार्यशील	पुरुष	50069 (63.23)	61508 (65.27)
	महिला	29113 (36.77)	32716 (34.73)
	कुल	79182 (36.84)	94224 (33.22)
सीमांत	पुरुष	5731 (33.13)	6855 (32.56)
	महिला	11563 (66.87)	14193 (67.44)
	कुल	17294 (7.53)	21048 (7.42)
अकार्यशील	पुरुष	64414 (48.37)	79020 (46.94)
	महिला	68749 (51.63)	89302 (53.06)
	कुल	133163 (57.98)	168322 (59.35)
		229639 (100)	283594 (100)

स्त्रोतः आर्थिक सांख्यिकी प्रतिवेदन, जयपुर, 2001 एवं 2011।

इस दशक में अकार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत कार्यशील जनसंख्या एवम् सीमांत जनसंख्या से कही अधिक था। इस प्रकार से वर्ष 2011 में अकार्यशील व्यक्तियों की संख्या का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में 59.35 प्रतिशत था तथा सीमांत व्यक्तियों का ग्रामीण क्षेत्र में 7.42 प्रतिशत था। कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में 33.22 प्रतिशत है।

सारणी सं. 11 : बस्सी तहसील जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना

कार्य	क्षेत्र	2001			2011		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
काश्तकार	ग्रामीण	26135 (46.21)	30421 (53.79)	56556 (58.62)	28668 (48.20)	30806 (51.80)	59474 (51.59)
खेतीहर मजदूर	ग्रामीण	1627 (31.79)	3490 (68.21)	5117 (5.30)	2652 (34.89)	4948 (65.11)	7600 (6.59)
परिवारिक उद्योग	ग्रामीण	2164 (56.72)	1651 (43.28)	3815 (3.95)	1464 (57.07)	1101 (42.93)	2565 (2.31)
अन्य कार्य करने वाल	ग्रामीण	25874 (83.49)	5114 (16.51)	30988 (32.11)	35579 (77.96)	10054 (22.04)	45633 (39.58)
	कुल			96476 (100)			115272 (100)

स्त्रोतः आर्थिक सांख्यिकी प्रतिवेदन, जयपुर, 2001 एवं 2011।

जनसंख्या की व्यावसायिक संरचनाः–

व्यावसायिक दृष्टि से अध्ययन क्षेत्र बस्सी तहसील की जनसंख्या को काश्तकार, खेतीहर मजदूर व पारिवारिक उद्योगों के आधार पर वर्गीकृत किया गया है, जिसका विवरण सारणी में दिया गया है। सन् 2001 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में सर्वाधिक काश्तकारी वर्ग में व्यावसायिक लोगों का प्रतिशत 58.62 था जिसमें ग्रामीण काश्तकार वर्ग में पुरुषों का प्रतिशत 46.21 व महिलाओं का प्रतिशत 53.79 था वर्ष 2011 में काश्तकारों का प्रतिशत घटकर51.59 प्रतिशत हो गया। जिसमें पुरुषों का प्रतिशत 48.20 व महिलाओं का घटकर 51.80 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2001 में खेतीहर मजदूरों का कुल प्रतिशत 5.30 था जिसमें खेतीहर मजदूरों में पुरुषों का प्रतिशत 31.79 व महिलाओं का प्रतिशत 68.21 था जो वर्ष 2011 में बढ़कर कुल प्रतिशत 6.59 हो गया। खेतीहर मजदूरों में पुरुषों का प्रतिशत 34.89 तथा महिलाओं का प्रतिशत 65.11 हो गया। वर्ष 2001 में पारिवारिक उद्योगों में लगे लोगों का कुल प्रतिशत 3.95 था, जो घटकर वर्ष 2011 में 2.31 हो गया। वर्ष 2001 में पारिवारिक उद्योगों में लगे पुरुषों का प्रतिशत 56.72 था जो बढ़कर वर्ष 2011 में 57.07 प्रतिशत हो गया। जबकि पारिवारिक उद्योगों में लगी महिलाओं का औसत वर्ष 2001 में 43.28 था जो घटकर वर्ष 2011 में 42.93 प्रतिशत हो गया। अन्य कार्य करने वाले मजदूरों का वर्ष 2011 में कुल प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2001 में लगे अन्य कार्यो में पुरुषों का प्रतिशत 83.49 प्रतिशत था जो घटकर वर्ष 2011 में 77.96 प्रतिशत हो गया। अध्ययन क्षेत्र में वर्ष 2001 में लगी अन्य कार्यो में महिलाओं का औसत 16.51 प्रतिशत था जोकि वर्ष 2011 में बढ़कर 22.04 प्रतिशत हो गया। सारांश रुप में देखा जाए तो काश्तकारों एवं पारिवारिक उद्योगों में लगे लोगों का प्रतिशत 2001 की तुलना में 2011 में घटा है। शेष सभी कार्य करने वालो का प्रतिशत लगभग सामान्य है।

निष्कर्ष

किसी क्षेत्र या देश का आर्थिक विकास जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों से प्रभावित होता है उससे कहीं अधिक योगदान क्षेत्र के आर्थिक विकास मे जनसंख्या का होता है प्राकृतिक संसाधन निष्क्रिय होते है लेकिन मानव ही प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करता है जनसंख्या, श्रम, पूर्ति, कार्य क्षमता, कार्यकुशलता, साक्षरता ,स्वास्थ्य आदि सभी तथ्य मानव शक्ति के रूप में प्रभाव दिखाते है।

वर्ष 2001 से 2011 की जनगणना तक के समय में अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में सकारात्मक वृद्धि अंकित की गई है। लिंगानुपात विगत दशक में घटकर 924 स्त्रियाँ प्रति 1000 पुरू ा हो गई है। जनसंख्या घनत्व भी 433 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया। आधारभूत सुविधाओं के उच्च विकास के कारण साक्षरता दर में परिवर्तन अध्ययन क्षेत्र में देखा गया है। विशेषकर महिलाओं की शिक्षा में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। वर्ष 2011 में बस्सी तहसील की सकल साक्षरता 68.07 प्रतिशत दर्ज की गई है।

अध्ययन क्षेत्र में कृषि के विकास से सिंचाई क्षेत्र में, उत्पादकता, रोजगार आदि में भी वृद्धि हुई है। यहां भूमि उपयोग परिवर्तन पर जनसंख्या का दबाव अधिक रहा है जिससे यहां आर्थिक सामाजिक विकास भी बढ रहा है और भूमि उपयोग को विभिन्न विधियों के साथ समायोजित किया जा रहा है। उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि क्षेत्र कृषि विकास व रोजगार सम्भावना के साथ–साथ मानव विकास सूचकांकों में वृद्धि होगी जिससे क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल होगा।

***सहायक आचार्य**
राजकीय स्नात्तकोत्तर कला महाविद्यालय
दौसा (राज.)
****शोद्यार्थी**
भूगोल विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर (राज.)

संदर्भ ग्रंथ :

1. जिला गजेटियर, जिला जयपुर (1998)
2. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला जयपुर (2001)
3. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला जयपुर (2010)
4. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला जयपुर (2011)
5. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जयपुर (2012)
6. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जयपुर (2013)
7. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जयपुर (2014)
8. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जयपुर (2016)
9. जनगणना रिपोर्ट, 1991–2011, जिला जयपुर
10. मौसम विभाग रिपोर्ट (2014), जयपुर
11. मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर (2016)